नाटक एवं रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

संयोजक : डॉ निर्मला मिश्र

प्रथम सेमेस्टर

(1) हिन्दी नाटक और रंगमंच : सिद्धांत एवं इतिहास (04 क्रेडिट)
(2) पाश्चात्य नाटक और रंगमंच : सिद्धांत और इतिहास (04 क्रेडिट)
(3) प्रायोगिक प्रश्नपत्र (08 क्रेडिट)

द्वितीय सेमेस्टर

(4) दृश्य-श्रव्य माध्यम (04 क्रेडिट)
(5) रंगमंच : नाटक और प्रयोग (04 क्रेडिट)
(6) प्रायोगिक प्रश्नपत्र/ परियोजनाकार्य (08 क्रेडिट)
<table>
<thead>
<tr>
<th>खण्ड 1</th>
<th>संस्कृत नाटक और रंगमंच</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाई 1</td>
<td>रंगमंच की विकास यात्रा</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 2</td>
<td>नाटक : रूप और स्वरूप</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 3</td>
<td>रंगमंच एवं रंगशाला</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 4</td>
<td>रंगशैली : लोकधर्मी और नाटकधर्मी</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 2</td>
<td>हिंदी नाटक एवं रंग चित्रन</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 5</td>
<td>भारतेंद्र हरिश्चंद्र</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 6</td>
<td>जयशंकर प्रसाद</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 7</td>
<td>मोहन राकेश</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 8</td>
<td>जगदीशचन्द्र माघुर</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 3</td>
<td>हिंदी रंगमंच का अध्ययन</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 9</td>
<td>अच्छवसास्थांक रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 10</td>
<td>व्यावसायिक रंगमंच (पारसी रंगमंच)</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 11</td>
<td>पृथ्वी थिएटर, इप्टा</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 12</td>
<td>राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 4</td>
<td>पारंपरिक रंगमंच एवं नाट्य रूप</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 13</td>
<td>पारंपरिक रंगमंच की सामान्य विशेषताएं</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 14</td>
<td>रामलीला-रामलीला</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 15</td>
<td>स्वाग, नौटंकी</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 16</td>
<td>ख्याल, मात्र, विदेशिया</td>
</tr>
</tbody>
</table>
कोर्स (Paper) का नाम – पाथ्रात्म नाटक और रंगमंच; सिद्धांत और इतिहास
पाठ्यक्रम-2 कुल क्रेडिट – 4

<table>
<thead>
<tr>
<th>खण्ड 1</th>
<th>आदि रंगमंच</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाई 1</td>
<td>जीक रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 2</td>
<td>रौमन रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 2</td>
<td>मध्यकालीन रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 3</td>
<td>शेक्सपियर युगीन रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 4</td>
<td>यथार्थवादी रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 3</td>
<td>आधुनिककालीन रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 5</td>
<td>विसंगतवादी रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 6</td>
<td>अभिव्यक्तजनावादी रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 7</td>
<td>प्रतीकवादी रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 8</td>
<td>अतियथार्थवादी रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 9</td>
<td>क्रेष्ट का महाकाव्य रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 4</td>
<td>पश्चिमी नाट्य भेद</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 10</td>
<td>नारसी</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 11</td>
<td>कामदी</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 12</td>
<td>मेलोड्रामा</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 13</td>
<td>फार्सी</td>
</tr>
</tbody>
</table>
व्यावहारिक परियोजना

1. विद्यार्थी को प्रत्यक्ष रूप से किसी भारतीय नाटक को रंगमंच पर देखते हुये उसकी समीक्षा लिखना।
2. विद्यार्थी को प्रत्यक्ष रूप से किसी पश्चिमी नाटक को रंगमंच पर देखते हुये उसकी समीक्षा लिखना।
3. विद्यार्थी को किसी नाटक की विडियो के आधार पर उसकी रंगमंचित समीक्षा लिखना।
4. छोटे-छोटे विषयों पर नाट्य-पाठ तैयार करना। इसके अंतर्गत विभिन्न पाठ संकेतों और रंग संकेतों को यथास्थान लिखने का अभ्यास।
5. किसी एक भारतीय नाटक के हिंदी अनुवाद का प्रस्तुतीकरण
6. किसी एक पश्चिमी नाटक के हिंदी अनुवाद का प्रस्तुतीकरण
<table>
<thead>
<tr>
<th>खण्ड 1</th>
<th>रेडियो नाटक एवं रंगमंच</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाइ 1</td>
<td>रेडियो नाटक की परिभाषा एवं शिल्प</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 2</td>
<td>रेडियो नाटक की विशेषताएं</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 3</td>
<td>रेडियो नाटक और रंग नाटक में अंतर</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 2</td>
<td>रेडियो नाटक के भेद</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 4</td>
<td>रेडियो धारावाहिक</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 5</td>
<td>रेडियो रूपांतर</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 6</td>
<td>पद्ध और संगीत नाटक</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 7</td>
<td>रेडियो फ़ेटेसी</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 3</td>
<td>टी-बी नाटक : कला एवं तकनीक का परिचय</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 8</td>
<td>टेलीविज़न नाटक : कला एवं तकनीक</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 9</td>
<td>रंग नाटक – टी.बी. नाटक में अंतर</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 10</td>
<td>फ़िल्म और टेलीफ़िल्म में अंतर</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 11</td>
<td>सोप ओपेरा और धारावाहिक में अंतर</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 4</td>
<td>भारत में टेलीविज़न : एक परिचय</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 12</td>
<td>पटकथा लेखन के विविध प्रारूप</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 13</td>
<td>धारावाहिक लेखन के मूल तत्व</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाइ 14</td>
<td>लेखन विधियाँ</td>
</tr>
</tbody>
</table>
कोर्स (Paper) का नाम – रंगमंच : नाटक और प्रयोग

पाठ्यक्रम-5  
कुल क्रेडिट – 4

<table>
<thead>
<tr>
<th>खण्ड 1</th>
<th>प्रस्तुति प्रक्रिया का अध्ययन</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>इकाई 1</td>
<td>प्रस्तुति -- आलेख की अनिवार्यता</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 2</td>
<td>दृश्य रचना</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 2</td>
<td>प्रस्तुति प्रक्रिया के विभाजन घटक</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 3</td>
<td>नाटक और रंगमंच</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 4</td>
<td>आलेख</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 5</td>
<td>अभिनेता</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 6</td>
<td>दर्शक</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 7</td>
<td>निर्देशक</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 8</td>
<td>संगीत एवं प्रकाश</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 3</td>
<td>रंगमंच की दृष्टि से नाटकों का विशिष्ट अध्ययन</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 9</td>
<td>मृदुलस्तिक का रंगमंचीय अध्ययन</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 10</td>
<td>बकरी : पारंपरिक रंगचेतना का नाटक</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 11</td>
<td>यहूदी की लड़की का रंगमंचीय अध्ययन</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 12</td>
<td>आपात का एक दिन : यथार्थवादी रंगचेतना का नाटक</td>
</tr>
<tr>
<td>खण्ड 4</td>
<td>रंगमंच की दृष्टि से विशिष्ट अध्ययन</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 13</td>
<td>किसी एक कहानी का रंगमंचीय अध्ययन</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 14</td>
<td>किसी एक काव्य नाटक का रंगमंचीय अध्ययन</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 15</td>
<td>किसी एक कविता का रंगमंचीय अध्ययन</td>
</tr>
<tr>
<td>इकाई 15</td>
<td>किसी एक तुकड़ा नाटक का रंगमंचीय अध्ययन</td>
</tr>
</tbody>
</table>
1. विद्यार्थी को किसी विशेष परिस्थिति पर नाट्य पाठ का निर्माण करना होगा।
2. विद्यार्थी को किसी विषय पर नाट्य पाठ का निर्माण करना होगा।
3. विद्यार्थी को रेडियो के लिए एक एकांकी अथवा नाट्य पाठ का निर्माण करना होगा।
4. टेलिविजन के लिए एक धारावाहिक का निर्माण करना होगा। इसमें 5 विद्यार्थी मिलकर इसका निर्माण कर सकते हैं।
5. किसी एक कहानी का नाट्य रूपान्तरण तैयार करना होगा।
6. एकल अभिनय के अंतर्गत विद्यार्थी को 10 मिनट की विडियो का निर्माण करना होगा।
संदर्भ

- शाश्वी, वारुनलाल शुक्ल (सं॰), नाट्यशास्त्र (चार खंडों में), (2017) चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- मिथ्र, दयानिधि (सं॰), 'रस निष्पत्ति', विद्यानिधि मिथ्र संचयिता, (2015), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- मिथ्र, प्रियंका (सं॰), नाटक और रंगमंच विंध्या, (2013) साहित्य संचय प्रकाशन, दिल्ली।
- प्रज्ञा, तुङ्कड नाटक : नाटक और प्रस्तुति, (2004), राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली।
- बंसल, कुसुम (सं॰), गधा-सागर, (2017), हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला।
- रस्तोगी, गिरीश; नाटक और रंगमंच परिकल्पना, (1992), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- अंकुर, हरीश (सं॰), हिन्दी नाटक : समय व वर्ण, (2016), साहित्य संचय प्रकाशन, दिल्ली।
- चतुर्वेदी, सीताराम; भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच, (1964), हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
- भारद्वाज, मदन; भारतीय नाट्य परंपरा और रंगभूमि, (2001), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
- मिथ्र, विश्वनाथ; भारतीय नाट्यशास्त्र और आज का रंगमंच, (2005), उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
- आर्य, सुषमा, प्रेमसिंह, रंग प्रक्रिया के विविध आयाम, (2007), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- अंकुर, देवेन्द्रजाल; रंगमंच का सौदर्यशाख्र, (2006), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- अंकुर, देवेन्द्रजाल; रंग कोलाज, (2000), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
• मुद्राराक्षस, रंग भूमिकाएँ, (2006), राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली
• शर्म, ओमप्रकाश, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच, (1994), ऊधल प्रकाशन, कानपुर
• शर्म, रंजनम, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक, (1985), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
• शेलदान बेनी, रंगमंच; अनुवाद : श्री कृष्ण दास, (1965), हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश
• पावड़े, सतीश, रंग विमशर्, (2020 प्रथम), शब्द सृष्टि, नवी मुंबई
• शर्मा, विश्वनाथा; भारत की हिन्दी नाट्य संस्थाएं और नाट्य शालाएँ, (1973), कलमघर प्रकाशन, जोधपुर
• https://delphipages.live/hi/%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%BF%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%A7/post-world-war-ii-theatre
• https://hi.vvikipedia.com/wiki/Theatre_of_ancient_Rome
• https://www.proquest.com/docview/305277638/
• https://hi.vvikipedia.com/wiki/Theatre_of_ancient_Greece
• https://hi.vvikipedia.com/wiki/History_of_theatre